प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन हेतु अर्नेस्ट एण्ड यंग के साथ समझौते पर हुए हस्ताक्षर

लखनऊ, 01 अगस्त, 2013

प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश एवं औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने के लिए कई नई नीतियों को घोषित करने के बाद अब **उद्योग बन्धु एवं मे. अर्नेस्ट एण्ड यंग के मध्य उत्तर प्रदेश सरकार की दीर्घकालीन निवेश प्रोत्साहन योजना को लागू करने हेतु समझौता किया गया है।**

अधिशासी निदेशक–उद्योग बन्धु एवं प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग (आईआईडीडी), डॉ सूर्य प्रताप सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में सतीश कौशिक, अधिशासी निदेशक–अर्नेस्ट एण्ड यंग तथा संयुक्त अधिशासी निदेशक, उद्योग बन्धु एवं विशेष सचिव, आईआईडीडी–कौशलराज शर्मा ने समझौते पर आज यहाँ हस्ताक्षर किए। मे. अर्नेस्ट एण्ड यंग अब उत्तर प्रदेश सरकार के नॉलेज पार्टनर के रूप में सुपरिभाषित कार्य को निर्धारित आगामी 18 महीनों में समयबद्ध रूप से करेगा।

प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग (आईआईडीडी), डॉ सूर्य प्रताप सिंह ने कहा–"नई निवेशोन्मुख नीतियों के फलस्वरूप हमको प्रदेश में तेजी से सुधरती हुई वास्तविकताओं के अनुसार 'ब्राण्ड यूपी' का निर्माण करना है।" उन्होंने कहा– "इन नीतियों के क्रियान्वयन के लिए सुदृढ़ अनुश्रवण व्यवस्था की गई है, अतः कोई कारण नहीं है कि प्रदेश में विद्यमान असीमित सम्भावनाएं साकार न हों।"

ज्ञात हो कि उद्योग बन्धु ने विगत वर्ष नवम्बर में प्रदेश के नॉलेज पार्टनर के चयन हेतु निविदाएं आमन्त्रित की थीं। जिसके उत्तर में इस वर्ष अप्रैल में तीन निविदाएं प्राप्त हुईं थीं।

प्राप्त हुई तीन निविदाओं में से **केवल मे. अर्नेस्ट एण्ड यंग** को तकनीकी रूप से अर्ह पाया गया। **मे. केपीएमजी** आवश्यक अनुभव न होने के कारण तकनीकी रूप से अयोग्य हो गई, जबकि **मे. इस्थान फाइनेन्शियल प्रा. लि.** को नॉन–रिस्पोन्सिवनेस होने के कारण अयोग्य हो गई क्योंकि इस निविदाकर्ता ने आवश्यक प्रपत्र एवं निर्दिष्ट शुल्क भी जमा नहीं किया।

अत्यावश्यकता एवं उद्येश्य के महत्व के दृष्टिगत् अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, आलोक रंजन द्वारा एकल वित्तीय बिड खोलने की स्वीकृति दिए जाने के पश्चात अधिशासी निदेशक, उद्योग बन्धु एवं प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग (आईआईडीडी), डॉ सूर्य प्रताप सिंहकी अध्यक्षता में इस प्रयोजन हेतु गठित समिति की बैठक में एकल वित्तीय बिड खोली गई।

प्रमुख उद्येश्य एवं कार्यक्षेत्र के अनुसार नॉलेज पार्टनर को उत्तर प्रदेश को निवेश हेतु देश में सर्वोत्तम गंतव्य बनाने के लिए एक व्यापक रणनीति बनाकर कार्य करना होगा। इतना ही नहीं चयनित परामर्शी को राज्य में चिन्हित क्षेत्र–विशेष एवं भौगोलिक स्थानों में निवेश के अवसरों को तलाश कर उनको प्रोत्साहित करना होगा। भारत में एक ग्लोबल इन्वेस्टर मीट (वैश्विक निवेशक सम्मेलन) तथा चार रोडशो के अलावा नॉलेज पार्टनर दो रोडशो विदेश भी कराएगा तथा इस सम्मेलनों में भाग लेने वाले निवेशकों के प्रस्तावों का अनुश्रवण कर अग्रेतर कार्यवाही करते हुए उनकी परियोजनाओं को स्थापित करने में भी मदद करेगा। इस कार्य हेतु **नॉलेज पार्टनर को 18 महीनों की समयावधि** दी गई है।

इससे पूर्व मे. अर्नेस्ट एण्ड यंग तथा में. केपीएमजी ने निर्धारित कार्य को करने के लिए अपनी–अपनी प्रस्तावित परियोजनाओं पर प्रस्तुतिकरण किया, जिससे उनके तकनीकी कौशल को मापा जा सके।

लक्षित दृष्टिकोण एवं सेक्टर–विशेष हेतु रणनीतिक विकास पर बल देते हुए अर्नेस्ट एण्ड यंग ने अपने प्रस्तुतिकरण में 15 ऐसे निवेशकों का भी उल्लेख किया जो उत्तर प्रदेश में निकट भविष्य में निवेश करने के इच्छुक हैं। इनमें कुछ इस प्रकार हैं– टीवीएस, एम एण्ड एम ऑटो, ब्रेक्स इण्डिया, व्हील्स इण्डिया **ऑटोमाटिव क्षेत्र में**, वयम टेक्नोलॉजीज़, इन्सपाइरा, एचसीएल **आईटी क्षेत्र** में, एड्यूकॉम्प **कौशल विकास में**, थ्री सी यूनिवर्सल डवलपर्स एवं पटेल इंजीनियरिंग **आईटी एसईज़ेड तथा अवस्थापना विकास में**, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा प्रदेता बार्कलेज़ एवं सन ग्रुप **आंतरिक सुरक्षा तथा वैकल्पिक ऊर्जा में।**